

सरकार बोली- चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में जज जरूरी नहीं: सुप्रीम कोर्ट में कहा- जरूरी नहीं आयोग तभी स्वतंत्र हो जब पैनल में जज हो



24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

नई दिल्ली. मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) और अन्य चुनाव आयुक्तों (EC) की नियुक्ति वाले नए कानून को लेकर बुधवार को केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर किया है। केंद्र सरकार ने कहा- यह दलील गलत है कि आयोग की स्वतंत्रता तभी होगी, जब सिलेक्शन पैनल में कोई जज जुड़े। इलेक्शन कमीशन एक स्वतंत्र संस्था है। इस याचिका का मकसद सिर्फ राजनीतिक विवाद को खड़ा करना है। सुप्रीम कोर्ट नए कानून को

चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा है। ये याचिका कांग्रेस कार्यकर्ता जया ठाकुर ने दाखिल की थी। पीठ ने इस याचिका पर 12 जनवरी को सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय समिति ने 14 मार्च को पूर्व IAS अफसर ज्ञानेश कुमार और सुखबीर संधू को चुनाव आयुक्त नियुक्त किया था।

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय समिति ने 14 मार्च को पूर्व IAS अफसर ज्ञानेश कुमार और सुखबीर संधू को चुनाव आयुक्त नियुक्त किया था। 2 मार्च 2023 को मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया था। कोर्ट ने आदेश दिया कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति एक पैनल करेगा। जिसमें प्रधानमंत्री, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और CJI शामिल होंगे। इससे पहले सिर्फ केंद्र सरकार इनका चयन करती थी। 5 सदस्यीय बेंच ने कहा कि ये कमेटी नामों की सिफारिश राष्ट्रपति को करेगी। इसके बाद

राष्ट्रपति मुहर लगाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में साफ कहा था कि यह प्रोसेस तब तक लागू रहेगा, जब तक संसद चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर कोई कानून नहीं बना लेती। नए कानून पर विपक्ष ने आपत्ति दर्ज कराई थी विपक्षी दलों का कहना था कि सरकार सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के आदेश के खिलाफ बिल लाकर उसे कमजोर कर रही है। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने मार्च 2023 में एक आदेश में कहा था कि CEC की नियुक्ति प्रधानमंत्री, चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया और विपक्ष के नेता की सलाह पर राष्ट्रपति करें।

नया कानून सुप्रीम कोर्ट के फैसले का उल्लंघन जया ठाकुर ने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि धारा 7 और 8 स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के सिद्धांत का उल्लंघन है क्योंकि यह चुनाव आयोग के सदस्यों की नियुक्ति के लिए स्वतंत्र तंत्र (in-dependent mechanism) प्रदान नहीं करता है। याचिका में यह कहा भी गया है कि यह कानून सुप्रीम कोर्ट के मार्च 2023 के फैसले को पलटने के लिए बनाया गया, जिसने CEC और EC को एकतरफा नियुक्त करने की केंद्र सरकार की शक्तियां छीन ली थीं। यह वो प्रथा है जो देश की आजादी के बाद से चली आ रही है।

श्रीलंका में फिर रुक सकेगा चीन का जासूसी जहाज



24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

कोलंबो. श्रीलंका ने अब विदेशी रिसर्च जहाजों को अपने पोर्ट पर रुकने की इजाजत दे दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीन की तरफ से विरोध किए जाने के बाद श्रीलंका ने विदेशी जहाजों के रुकने पर लगा बैन हटा दिया है। दरअसल, हाल ही में पड़ोसी देश ने एक जर्मन रिसर्च वेसल को अपने पोर्ट पर रुकने की इजाजत दी थी। इस पर चीन की एम्बेसी ने विरोध जताया कि जब फरवरी में उनके जहाज को रुकने की अनुमति नहीं मिली थी, तो जर्मनी के जहाज को क्यों रुकने दिया गया। तस्वीर युआंग वांग 5 की है। चीन के पास ऐसे 7 जासूसी शिप हैं। इनसे वो प्रशांत, अटलांटिक और हिंद महासागर की निगरानी कर सकता है। ये लैंड बेस्ड कमांडिंग सेंटर को जानकारी भेजते हैं।

सुप्रीम कोर्ट में सीए का विरोध नहीं करेगी राज्य सरकार



24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

जयपुर. राजस्थान सरकार सुप्रीम कोर्ट में सिटीजनशिप अमेंडमेंट एक्ट (CAA) को चुनौती नहीं देगी। इसे लेकर भजनलाल सरकार ने गहलोत सरकार द्वारा दायर याचिका को वापस लेने का प्रार्थना पत्र सुप्रीम कोर्ट में दायर किया है। प्रार्थना पत्र में राज्य सरकार की ओर से कहा गया है कि बदली हुई परिस्थितियों में सरकार सीए को चुनौती नहीं देना चाहती है। ऐसे में राज्य सरकार को याचिका वापस लेने की अनुमति दी जाए। राजस्थान सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता शिवमंगल शर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में प्रार्थना पत्र दायर किया है। गौरतलब है कि केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने 11 मार्च को ही सीए कानून की अधिसूचना जारी की थी। इसके बाद यह कानून पूरे देश में प्रभावी हो गया था।

गहलोत सरकार ने 2020 में दी थी चुनौती

केन्द्र सरकार ने भारतीय नागरिकता कानून 1955 में बदलाव के लिए 2016 में नागरिकता संशोधन विधेयक 2016 (CAB) संसद में पेश किया था। यह लोकसभा में 10 दिसम्बर 2019 और अगले दिन राज्यसभा में पास हुआ था। वहीं, 12 दिसम्बर को राष्ट्रपति की मंजूरी मिलते ही सीए कानून बन गया था।

इसके बाद कई राज्य सरकारों और सामाजिक संगठनों ने इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। इसी दौरान 2020 में प्रदेश की तत्कालीन गहलोत सरकार ने भी सीए को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देकर इस पर रोक लगाने की मांग की थी। केन्द्र सरकार ने हाल ही में 11 मार्च को सीए की अधिसूचना जारी की थी। इसके बाद पूरे देश में यह कानून लागू हो गया था। इसे लेकर रिटायर्ड जिला न्यायाधीश महेन्द्र कुमार शर्मा बताते हैं कि नागरिकता संघ सूची का विषय है। ऐसे में संविधान का अनुच्छेद 11 संसद को इसमें संशोधन करने की शक्ति प्रदान करता है।

राज्य सरकारों पर यह कानून बाध्यकारी है। संघ सूची के विषय पर केन्द्र जो भी कानून बनाती है। वह पूरे देश में समान रूप से लागू होता है। कोई भी राज्य सरकार इस कानून को चुनौती तो दे सकती है। लेकिन इसे लागू करने से मना नहीं कर सकती है। सीए से पाकिस्तान, बांग्लादेश अफगानिस्तान से आए गैर-मुस्लिम शरणार्थियों को नागरिकता मिलने का रास्ता साफ हो गया है।

केजरीवाल की याचिका पर हाईकोर्ट ने ED से मांगा जवाब: CM ने समन को चुनौती दी थी; कोर्ट ने पूछा- आप पेश क्यों नहीं होते

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

नई दिल्ली दिल्ली हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को बार-बार समन भेजे जाने पर बुधवार को एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट (ED) को तलब किया। कोर्ट ने ED को अपना पक्ष रखने के लिए दो हफ्ते का समय दिया है। जस्टिस सुरेश कुमार कैत और जस्टिस मनोज जैन की अध्यक्षता वाली बेंच ने केजरीवाल के वकीलों से भी पूछा- आप (केजरीवाल) ED के सामने पेश क्यों नहीं होते? आप देश के नागरिक हैं, समन सिर्फ नाम के लिए है।

इस पर CM के वकीलों ने कहा कि AAP नेता मनीष सिसोदिया और संजय सिंह को ED गिरफ्तार कर चुकी है। ED केजरीवाल को भी गिरफ्तार कर सकती है। वे भाग नहीं रहे हैं, लेकिन अगर उन्हें सुरक्षा मिली, तो वे

पेश हो जाएंगे। एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू और स्पेशल काउंसिल जोहेब



हुसैन ने कोर्ट में ED का पक्ष रखा। केजरीवाल की तरफ से सीनियर एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी और विक्रम चौधरी कोर्ट में पेश हुए। इस मामले पर 22 अप्रैल को अगली सुनवाई होगी।

कुख्यात अशोक महतो ने लोकसभा टिकट के लिए की शादी : 16 साल छोटी पत्नी

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

मुंगेर. बिहार के कुख्यात अशोक महतो ने लोकसभा टिकट के लिए खरमास में शादी कर ली है। अशोक की उम्र 62 साल है, पत्नी उनसे 16 साल छोटी हैं। अशोक महतो पर ही वेब सीरीज खाकी द बनी थी। बाद अशोक पत्नी के आवा स उन्होंने कहा आशीर्वाद था। वह मुंगेर से राजद के टिकट पर चुनाव लड़ना चाहते हैं। बताया ये भी जा रहा है कि कुछ दिन पहले लालू यादव ने अशोक महतो को बुलाकर कहा था कि शादी करके आओ तब टिकट देंगे। इसके बाद उन्होंने लड़की की तलाश शुरू की। ताकि अगर उनको टिकट न मिले तो वे अपनी पत्नी को चुनाव लड़वाएं।



चित्तौड़गढ़ के पहुंचा गांव में तनाव, पथराव और आगजनी के बाद धारा 144 लगाई, बाजार बंद

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के पहुंचा गांव में सांप्रदायिक हिंसा में एक युवकी की मौत के बाद धारा 144 लगा दी है। जिला कलेक्टर और एसपी मौके पर पहुंचे हैं। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने मोर्चा संभाल रखा है। कई थानों की पुलिस गांव में तैनात है। रात को ही 144 धारा लागू कर दी गई है। पथराव में घायल लोगों को निकट के अस्पताल भेजा गया। इनमें पूर्व सरपंच रतन जीनगर और नवीन सोनी की हालत गंभीर होने से भीलवाड़ा रेफर कर दिया। जिनमें से एक घायल ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। जिसका गंगपुर पुलिस पोस्टमार्टम करवा रही है। इधर, युवक की मौत की खबर से गांव में हालात तनाव पूर्ण बने हुए हैं। लोग शव गांव में आने का इंतजार कर रहे हैं। बाजार बंद है। कलेक्टर और एसपी मौके पर पहुंचे हैं। हालात तनावपूर्ण हैं। लेकिन



स्थिति नियंत्रण में है। उल्लेखनीय है कि चित्तौड़गढ़ में मंगलवार को भगवान चारभुजानाथ की जुलूस पर कुछ कट्टरपंथियों ने पथराव कर दिया और लोगों के साथ मारपीट भी की। इस घटना में लगभग 10 लोग घायल हो गए हैं। स्थिति को देखते हुए इलाके में धारा 144 लागू कर दी गई है। पुलिस ने 18 आरोपितों को गिरफ्तार भी किया है। बता दें इससे पहले पत्थरबाजी में गंभीर घायल एक युवक की मौत हो गई है। मामला चित्तौड़गढ़ जिले के पहुंचा गांव का बताया जा रहा है। जहां पर ठाकुरजी का बेवाण निकाले जाने के दौरान मंगलवार देर रात दो गुट आपस में भिड़ गए। इस

झगड़े में करीब 20 लोग घायल हुए हैं। जिनका सरकारी अस्पताल में उपचार जारी है। पुलिस ने सख्ती दिखाते लोगों को घरों में भेजा। देर रात तक माहौल तनावपूर्ण था। रात को ही राशमी एसडीएम गोविंद सिंह, कपासन विधायक अर्जुन लाल जीनगर भी मौके पर पहुंचे। देर रात तक दोनों पक्षों से लगातार बातचीत की गई। आखिरकार, जुलूस रोकने की सहमति के बाद मामला शांत हुआ। लेकिन, अब युवक की मौत की खबर से गांव में माहौल गरमाया हुआ है। चित्तौड़गढ़ पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि मंगलवार शाम को गांव पहुंचा में ठाकुरजी का बेवाण निकाला जा रहा था। इस दौरान एक पक्ष के कुछ लोगों ने बेवाण पर पथराव कर दिया। इसके बाद दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने हो गए। पुलिस ने दोनों पक्षों को अलग करने का प्रयास किया। आसपास के थानों से जाप्ता बुलाया गया। पुलिस लाइन से आरएसी बुलाई।

संपादकीय: निष्पक्षता का तकाजा

आम चुनाव की तारीखों का एलान करने के साथ ही निर्वाचन आयोग ने गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के गृह सचिवों को हटाने का निर्देश जारी कर दिया। इसके अलावा मिजोरम और हिमाचल प्रदेश के सामान्य विभाग के सचिवों को भी हटाने का आदेश दे दिया। अब इस फैसले को राजनीतिक रंग देने की कोशिश की जा रही है। खासकर पश्चिम बंगाल सरकार इसे लेकर पक्षपात का आरोप लगा रही है। हालांकि चुनाव की तारीखें घोषित होने से पहले ही निर्वाचन आयोग ने ने सभी राज्य सरकारों को निर्देश दिया था कि वे चुनाव संबंधी कार्यों से जुड़े उन अधिकारियों का तबादला करें, जिन्होंने अपने पद पर तीन वर्ष का समय पूरा कर लिया है या जो अपने गृह जिलों में तैनात है। मगर राज्य सरकारों ने उस निर्देश पर अमल नहीं किया था। उत्तर प्रदेश सरकार भी नहीं चाहती थी कि उसके गृह सचिव को हटाया जाए, मगर निर्वाचन आयोग ने उसकी दलील नहीं मानी। छिपी बात नहीं है कि चुनाव में शीर्ष अधिकारियों की बड़ी भूमिका होती है। गृह सचिव राज्यों में और जिलाधिकारी जिलों में निर्वाचन आयोग के प्रतिनिधि होते हैं। इसलिए अगर वे निष्पक्ष नहीं होंगे, तो उन जगहों पर चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठेंगे ही। इसलिए निर्वाचन आयोग ने छह राज्यों के गृह सचिवों और पश्चिम बंगाल के पुलिस आयुक्त को हटा दिया। हालांकि यह न तो पहली बार हुआ है और न कानून की नजर में कोई गलत कदम है। जहां भी निर्वाचन आयोग को लगता है कि कोई अधिकारी चुनाव में निष्पक्ष भूमिका नहीं निभा सकता या निभा रहा, तो वह उसे हटा कर उसकी जगह दूसरे

पुतिन की सत्ता

रूस में राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे अप्रत्याशित कि वहां व्लादिमीर पुतिन की एक बार फिर बड़ी जीत होगी। इसलिए जब पुतिन के भारी मतों के अंतर से राष्ट्रपति चुने जाने की घोषणा हुई, तो किसी को हैरानी नहीं हुई। गौरतलब है कि पुतिन को 87.29 फीसद वोट मिले। पिछली बार उन्हें 76.7 फीसद वोट मिले थे। यानी बीते कार्यकाल के दौरान रूस में उनके प्रभाव का और विस्तार हुआ है। हालांकि इसी बीच रूस को कोरोना महामारी सहित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुस्तरीय चुनौतियों से जूझना पड़ा। रूस के सामने सबसे जटिल स्थिति यूक्रेन के साथ युद्ध की शुरुआत है, जो अब तीसरे साल में दाखिल हो चुकी है और उसके खत्म होने की फिलहाल कोई उम्मीद नहीं दिख रही। इस मुद्दे ने पुतिन को अपने सामने के मैदान को साफ करने में बड़ी भूमिका निभाई। आंतरिक मोर्चे पर रूस की अर्थव्यवस्था में मजबूती से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक ताकतवर देश के रूप में अपनी जगह बनाने का राजनीतिक और भी चुनाव पर पड़ा। और लोगों ने पुतिन को चुना। उनका यह कार्यकाल

अधिकारी को नियुक्त कर सकता है। राजनीतिक दलों की शिकायतों के मद्देनजर चुनाव प्रक्रिया के दौरान भी कई बार अधिकारियों को बदल दिया जाता है। अभी जिन राज्यों के गृह सचिवों और पश्चिम बंगाल के पुलिस आयुक्त को हटाया गया, उनके बारे में पहले से राजनीतिक दल शफ जाहिर कर रहे थे। उनकी संबंधित राज्य सरकारों के प्रति अधिक निष्ठा देखी जा रही थी। पश्चिम बंगाल के पुलिस आयुक्त तो काफी समय से विवादों में घिरे थे। उनके खिलाफ सीबीआई ने शिकंजा कसने की कोशिश की थी, तब मुख्यमंत्री खुद धरने पर बैठ गई थी। ऐसे में भला उन पर कैसे भरोसा किया जा सकता था कि वे स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने में सहयोग करेंगे, राज्य सरकार की अनुरूप काम नहीं करेंगे। उनके खिलाफ कांग्रेस ने भी शिकायत दर्ज कराई थी। उत्तर प्रदेश के गृह सचिव को लेकर ऐसे भी इसी तरह की आशंकाएं जाहिर की जा रही थीं। समय में, जब विपक्षी दल मतदान मशीनों में की आशंका जताते हुए आंदोलन पर उतरे हुए हैं, गड़बड़ी वड़े जन समुदाय में भी चुनाव प्रक्रिया पर संदेह पैदा हो गया है, तब ऐसे अधिकारियों को उनके पद पर बनाए रखना किसी भी रूप में उचित नहीं कहा जा सकता, जिनका आचरण संदिग्ध माना जाता रहा है। मगर केवल इतने भर से चुनाव में निष्पक्षता की गारंटी सुनिश्चित नहीं हो जाती। निर्वाचन आयोग को यह भरोसा कायम करना होगा कि हटाए गए अधिकारियों की जगह जिन्हें नियुक्त किया गया है, वे वास्तव में पक्षपातपूर्ण व्यवहार नहीं करेंगे। जिस तरह की सक्रियता और प्रतिवद्धता वह अभी दिखा रहा है, उसे पूरी चुनाव प्रक्रिया के दौरान दिखानी पड़ेगी। आखिर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव निर्वाचन आयोग की साख से जुड़ा विषय है।

आमली एकादशी पर गंगु कुण्ड पर मटकियों का मेला चकरी, डॉलर, खान-पान के स्टॉल और खरीददारी के आ रहे आनंद



24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर। आमली एकादशी का मटकियों का मेला उदयपुर के गंगु कुंड पर शुरू हो गया है। इस मेले में चकरी-डोलर से लेकर बच्चों के मनोरंजन के साथ, मनहारी, खान-पान के स्टॉल सहित अन्य घर-परिवार की जरूरत के सामानों के स्टाल लग गए हैं। मेला आज से शुरू हुआ है व क्योंकि आमली एकादशी आज रात को 12 बजे बाद हैं इसलिए कल मुख्य मेला भरेगा। शहरवासियों ही नहीं ग्रामीण अंचल के लोगों को भी गंगु कुण्ड पर लगने वाले इस अनूठे मेले का इंतजार रहता है। आज मेला परिसर के बाहर से गुजरे लोगों को यहां की रौनक और चारों ओर मिट्टी के बर्तनों के ढेर देख कर अंदाजा हो गया कि मेला लग गया है तो घर लौटते ही उनके परिवारजनों के सहित कदम मेले की ओर बढ़ चले। लगभग हर घर में फ्रिज होने के बावजूद अब भी ठंडे पानी के अपनी माटी वाले स्वाद के लिए लोग मटकों को ही पसंद करते हैं। कई लोग गर्मी और बैसाख में पुण्य के लिए प्याउ भी लगवाते हैं। ऐसे में इस मेले में हर आने वाला आता तो खाली हाथ है मगर जाता मटकियों की टंकार की ध्वनि के साथ ही है। मटकियों के साथ ही दही जमाने के छोटे मटके, डेंगची, कुल्हड़ आदि की भी खूब खरीददारी हो रही है। छोटी से बड़ी मटकियां, रंग-बिरंगी डिजाइनों में सजी मटकियों के अलावा सुख चमके काले रंग की मटकियां भी खूब पसंद की जा रही है। कई सालों से



यहां पर आने वाले टोंटी लगी मटकियों के भी खूब खरीददार व कद्रदान हैं। आस-पास के लोग यहां से सालभर में काम आने जितनी मटकियां खरीद कर ले जाते हैं तो जिन घरों में ब्याव-मांडे हैं वे परम्परागत रूप से कलश आदि में काम आने वाले मटकी यहां से पहले ही खरीद लेते हैं। इस मेले की खासियत यह है कि यह उदयपुर जिसे पुरातन सभ्यता में कभी अघाटपुर या आहड़ कहा जाता था, उसकी संस्कृति से जुड़ा हुआ है। बरसों पुराने इस मेले की रौनक वक्त के साथ फीकी तो हुई है लेकिन अब भी मटकियों की बिक्री के चलते यहां अच्छी रौनक रहती है। शाम ढलते-ढलते बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। यहां पर मिट्टी के बरतानों की बिक्री करने वाले यहां बरसों से आ रहे हैं। उनका कहना है कि यहां पर बहुत ही किफायती दामों पर बर्तन बेचते हैं व खास लाभ भी नहीं होता मगर उनका मेले के साथ ऐसा आत्मीय जुड़ाव है कि खुद ही खिंचे चले आते हैं। अब युवा पीढ़ी भी उनका इस काम में हाथ बंटा रही है। आंवली एकादशी (आमलकी) का ऐसा मेला दुनिया में कहीं नहीं लगता। इस बार रोटी सेकने के लिए मिट्टी की केलड़ी की ज्यादा बिक्री हो रही है

अग्निवीरों की भर्ती के आवेदन 22 तक, महिलाओं के लिए भी अवसर

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट. उदयपुर। भारतीय सेना में भर्ती के लिए अग्निवीर का रजिस्ट्रेशन हो रहा है। यह प्रक्रिया 13 फरवरी से शुरू हो गई है और आवेदन 22 मार्च तक लिए जाने हैं। सेना ने युवाओं से विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए आवेदन मांगे हैं। इन पदों की अधिसूचना 13 फरवरी को जारी हुई थी व आवेदन की अंतिम तिथि परसों हैं। उम्मीदवार ज्वाइन इंडियन आर्मी की वेबसाइट पर अपनी अपनी श्रेणियों में आवेदन कर सकते हैं। जेसीओ/ओआर रैंक पर अग्निवीर (सामान्य इयूटी), अग्निवीर (तकनीकी), अग्निवीर (कार्यालय सहायक/स्टोर कीपर तकनीकी), अग्निवर ट्रेडसमैन 10वी पास, अग्निवर ट्रेडसमैन 8वी पास, अग्निवीर सामान्य इयूटी

महिला ने फंदे से लटककर दी जान 3 बच्चों के सिर से उठा मां का साया



24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

डूंगरपुर। वरदा थाना क्षेत्र के डोलवर निचली में महिला का शव घर में फंदे से लटका हुआ मिला। रत्नावाड़ा गांव से आए पीहर पक्ष ने महिला की मौत पर संदेह जताया और कार्रवाई करने की मांग की। पुलिस घटना को लेकर जांच कर रही है। वहीं महिला की मौत के बाग 3 बच्चों के सिर से मां का साया उठ गया। वरदा थाने के हेड कॉन्स्टेबल संतोष कुमार ने बताया कि प्रकाश अहारी निवासी डोलवर निचली ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। इसमें बताया कि उसकी पत्नी पुष्पा अहारी (30) घर पर अकेली थी। बच्चे घर के बाहर खेल रहे थे। प्रकाश ने बताया कि वह पड़ोस में अपने पिता के घर गया था। उसी समय बेटा महेंद्र दौड़ते हुए आया। उसने बताया कि मां ने फंदे से लटककर सुसाइड कर लिया है। इस पर पति और परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। फंसे पर लटकी पत्नी को नीचे उतारा, लेकिन उसकी मौत हो गई थी। सूचना पर वरदा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। रत्नावाड़ा गांव से पीहर पक्ष के लोग भी पहुंचे। पीहर पक्ष ने महिला की मौत को लेकर संदेह जताया। पुलिस ने समझाइश कर शव को देर रात डूंगरपुर अस्पताल के मॉर्चुरी में रखवाया, जहां बुधवार को पोस्टमॉर्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया है। हेड कॉन्स्टेबल ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस घटना को लेकर जांच कर रही है।



रिपोर्ट-अमानत अली

क्योंकि कोरोना के बाद से लोगों का हाईजीन की तरफ रुझान बढ़ गया था। तब की बजाय मिट्टी की केलड़ी पर रोटी पकाना और हांडी में पकी दाल का स्वाद भला कौन भुला सकता है। यही नहीं कई संभ्रांत घरों में भी फ्रिज का ठंड पानी छोड़कर लोग एक बार फिर से मिट्टी की मटकी पर लौट गए हैं ताकि हैल्थ और हाईजीन का रिश्ता बना रहे। यह मेला आयड़ में सरकारी अस्पताल के पास से लेकर गंगु कुंड तक और बाहर बेकनी पुलिस से कुछ पहले तक लगता है। सड़क के दोनों ओर मटकियों और मिट्टी के बर्तन की दुकानें लगी हैं। सुराही, भाण्डे, दही जमाने के लिए जावणिये, छाछ की बिलौनी, घिलोड़ी व छोंक लगाने के लिए बघारी भी खूब बिक रही है। यह मेला खास तौर पर महिलाओं के लिए लोकानुरंजन का भी मेला है। इसमें घर-परिवार की महिलाएं सामूहिक रूप से मटकियों, सौंदर्य प्रसाधन आदि की खरीददारी करने आती हैं। यहां पर हालांकि मोल भाव की गुंजाइश कम ही रहती है मगर फिर भी ज्यादा संख्या में मटकियां खरीदने पर डिस्काउंट की गुंजाइश जरूर रहती है।

अमालकी एकादशी की तिथि और मुहूर्त

अमालकी एकादशी तिथि 20 मार्च को रात 12 बजकर 21 मिनट से प्रारंभ होगी और इसका समापन 21 मार्च को देर रात 02 बजकर 22 मिनट पर होगा। ऐसे में रंगभरी एकादशी व्रत 20 मार्च को रखा जाएगा। रंगभरी एकादशी पर पूजा का शुभ मुहूर्त 20 मार्च को सुबह 6.25 बजे से सुबह 9.27 बजे तक रहेगा।

आमलकी एकादशी की पूजन विधि

आमलकी एकादशी के दिन पूजन से लेकर भोजन तक हर कार्य में आंवले का उपयोग होता है। इस दिन सुबह स्नानादि के बाद भगवान विष्णु का ध्यान करें और व्रत का संकल्प लें। इसके बाद स्नान आदि से निवृत्त होकर भगवान विष्णु की पूजा करें। भगवान के सामने घी का दीपक जलकार विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें। पूजा के बाद आंवले के वृक्ष के नीचे नवरत्न युक्त कलश स्थापित करना न भूलें। यदि आंवले का वृक्ष उपलब्ध न हो तो श्री हरि को आंवला अर्पित कर दें।

बेकरिया थाना क्षेत्र में

केलूपोश झोपड़े में लगी आग

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट. उदयपुर। बेकरिया थाना क्षेत्र में केलूपोश झोपड़े में लगी आग लग गई जिसमें आशियाना जलकर राख हो गया। बेकरिया थाना क्षेत्र के लोहारचा गाँव में यह हादसा हुआ। केलूपोश झोपड़े में अचानक आग लगने से घरेलू सामान जलकर राख हो गया। घटना के दौरान घर के सदस्य खेतों में गेहू की कटाई कर रहे थे। आग पर काबू पाने के लिए आसपास के लोग दौड़ कर कड़ी मशकत की लेकिन सफल नहीं हो पाए। जब तब तक पूरा घर जलकर राख हो गया। आग से घर में रखा अनाज, दस्तावेज सहित घरेलू सामान जल गया।



कार का कांच तोड़ कर अंगूठी व चश्मा चुराने वाला गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुरयोगेश गोयल के निर्देशन में उमेश ओझा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, शहर व कैलाशचन्द्र खटीक वृताधिकारी वृत्त नगर पश्चिम के सुपरविजन में हिमांशुसिंह राजावत थानाधिकारी, सुखेर और टीम द्वारा आसूचना व तकनीकी सहयोग से आरोपी गुलाम नबी पिता लियाकत अली निवासी नंदवाना कॉलोनी, कपासन जिला चित्तौडगढ़ हाल निवासी मस्जिद के पास, मावली, उदयपुर को गिरफ्तार किया। आरोपी गुलाम नबी द्वारा कार का कांच तोड़कर बैग से चुराई गई सोने की अंगुठी बरामद कर अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा है गुलाम नबी के पूर्व में 9 प्रकरण चोरी, लूट, आर्म्स एक्ट व मारपीट के दर्ज हैं। पुलिस टीम में प्रभारी व सदस्यों में हिमांशु सिंह राजावत थानाधिकारी, सुखेर, सरदारसिंह स.उ.नि., नारायणसिंह हैड कानि, सुमित कानि., प्रमोद कानि, श्रवण कुमार कानि. शामिल हैं।

सोशल मीडिया इंप्लूएन्सर रितिका कालरा को दी मतदाता जागरूकता की कमान



24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर। लोकतंत्र के

सबसे बड़े पर्व लोकसभा आम चुनाव-2024 में उदयपुर में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए जिला प्रशासन की ओर से पहली बार सोशल मीडिया इंप्लूएन्सर की भी मदद ली जा रही है। ये वे सोशल मीडिया इंप्लूएन्सर हैं जिनके विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लाखों फॉलोअर्स हैं और जिनकी हर बात जनता पर असर करती है। अब सरकार चाहती है कि ये जिला प्रशासन के माध्यम से ऐसे कंटेंट क्रिएट करें ताकि वोट परसेंट बढ़ाया जा सके। इसी कवायाद में जिला निर्वाचन अधिकारी अरविन्द पोसवाल के निर्देशन में सोशल मीडिया प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। चुनाव सोशल मीडिया प्रकोष्ठ की ओर से मंगलवार को सोशल मीडिया इंप्लूएन्सर्स की बैठक सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग सभागार में डीओआईटी संयुक्त निदेशक व सेल प्रभारी शीतल अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में उदयपुर से जो सोशल सोशल मीडिया इंप्लूएन्सर बुलाए गए उसमें एकमात्र यूथ गर्ल सोशल मीडिया इंप्लूएन्सर शक्तिनगर में रहने वाली रितिका कालरा भी थीं। रितिका ने 24 न्यूज अपडेट से खास बातचीत में बताया कि यह विडंबना है कि उदयपुर शहर में ही सबसे कम वोट परसेंट रहता है जबकि झाड़ोल जैसे क्षेत्र में सबसे अधिक। ऐसे में उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है कि अपनी इनोवेटिव आइडियाज के मदद से वे मतदाताओं तक ज्यादा से ज्यादा मतदान की अपील करने की बात पहुंचाए। यदि आधा प्रतिशत वोट परसेंट भी बढ़ता है तो भी यह बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। रितिका कालरा आर्ट्स कॉलेज में साइकॉलोजी युजी की छात्रा हैं व उनका फूड ब्लॉग कई सालों से लोगों की पसंद बना हुआ है। आजकल वे दूसरे कंटेंटपेरी कंटेंट पर भी काम कर रही हैं। कालरा ने बताया कि उनका मकसद साइकॉलोजी में पीजी के बाद पीएचडी करना और सोशल मीडिया के क्षेत्र में नाम कमाना है। उनके पिता जितेन्द्र कालरा (लिबर्टी पेंट्स) व माता दिव्या कालरा, बहिन हंसिका कालरा ने हमेशा उनकी ब्लॉगिंग की च्वाइस को एप्रिशिएट किया है। स्कूलिंग सेंट मेरीज कान्वेंट स्कूल फतहपुरा से हुई है। आजकल वे टैगिंग चीजों पर भी फोकस कर रही हैं। खासकर वे जो उदयपुर के कल्चर हैरिटेज को रिलेट करती हैं। उनका कहना है कि ब्लॉगिंग करना आसान नहीं है। इसके आइडिया के जनरेशन के लिए आपको लगातार अपडेट रहना होता है व लगातार कई सारे सॉर्सेज के टच में रहना पड़ता है। सोशल मीडिया पर आपके क्रिएशन के हिट और सुपरहिट होने का कोई फिक्स क्राइटेरिया नहीं है। हो सकता है कि कई बार आप जिसे बहुत साधरण कंटेंट समझते हैं वो भी आपको लाखों व्यूज की सौगात दे सकता है। जहां तक लोकसभा चुनाव का मामला है, सरकार ने हम पर विश्वास किया है, इसके लिए मैं जिला प्रशासन की शुक्रगुजार हूं। फोटो वॉक, स्लोगन राइटिंग, क्विज कॉम्पिटिशन, अवेयरनेस मैसेज रील, मैं वोटर हूं.... सहित अन्य एक्टिविटी के माध्यम से कार्ययोजना तैयार कर जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशन में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अभियान चलाउंगी। आपको बता दें कि जिला प्रशासन ने विप्लव सुथार, दिग्विजय सिंह शक्तावत, गगन शर्मा, आरजे अर्पित, अभय सिंह भाटी, मनीष कोठारी आदि इंप्लूएंसर को चुना है जिसमें से रितिका कालरा अकेले ही नारी शक्ति को रिप्रजेंट कर रही हैं।



सुरेश असनानी बने व्यापार संघ अध्यक्ष

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। मीट मछली मुर्गा व्यापार संघ उदयपुर के चुनाव 2024-2027 टाउन हॉल में संपन्न हुए। व्यापार संघ की पूर्व अध्यक्ष किशन चौहान ने नव अध्यक्ष के लिए सुरेश असनानी के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसमें व्यापार संघ की सभी सदस्यों ने सर्व समिति से सहमति दी। तत्पश्चात नव निर्वाचित अध्यक्ष सुरेश असनानी ने कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए संरक्षक सुखलाल चौहानचौहान- जगन्नाथ निमावत, सलाहकार किशन लाल चौहान (सूरजपोल वाले)- किशन चौहान (चमनपुरा वाले), उपाध्यक्ष रामलाल चौहान- सलाम भाई, महासचिव शोभा लाल चौहान, सचिव हिम्मत - धर्मेन्द्र, कोषाध्यक्ष- विक्रम सिंह चौहान- कैलाश सुयल, संगठन मंत्री कन्हैयालाल - लोकेश चौहान को नियुक्त किया।



कोटा में किडनैप हुई लड़की जयपुर में दिखी दो लड़कों के साथ, बोला बड़ा झूठ?

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट जयपुर। कोटा से किडनैप हुई लड़की का सीसीटीवी फुटेज जयपुर का सामने आया है। यह उसी दिन का है जिस दिन उसकी तस्वीरें उसके घरवालों को भेजी गई थीं। लड़की को जयपुर के दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन पर देखा गया है। सीसीटीवी के आधार पर लड़की की लोकेशन के बारे में पता लगाया जा रहा है। आपको बता दें कि कोटा से 18 मार्च को नीट की तैयारी कर रही एक लड़की की अपहरण की घटना सामने आई थी। पिता को कुछ तस्वीरें भेजी गईं जिनमें उनकी बेटी के हाथ-मुंह बंधे हुए थे। अपहरण करने वालों ने 30 लाख रुपये की डिमांड की। अब हैरान कर देने वाला खुलासा हुआ है। सीसीटीवी में सामने आया है जिसमें छात्रा दो लड़के के साथ



दिख रही है। फुटेज उसी दिन 18 मार्च के है जिस दिन उसकी तस्वीरें उसके घरवालों को भेजी गई थीं। बताया जा रहा है कि लड़की को जयपुर के दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन पर देखा गया है। सीसीटीवी के आधार पर लड़की की लोकेशन के बारे में पता लगाया जा रहा है। एमपी के शिवपुरी के बैराड़ निवासी रघुवीर धाकड़ ने 18 मार्च की रात को कोटा के विज्ञान नगर थाने में अपनी बेटी के

अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रघुवीर धाकड़ एक स्कूल चलाते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि 18 मार्च को दोपहर तीन बजे मेरे मोबाइल पर बेटी की किडनैपिंग का मैसेज आया था। आरोपियों ने कुछ तस्वीरें भेजी थीं जिनमें मेरी बेटी के हाथ-पैर और मुंह बंधे हुए थे। कुछ तस्वीरों में बेटी के चेहरे पर खून भी लगे हुए थे। लड़की की फोटो के साथ आरोपी ने मैसेज में रघुवीर धाकड़ को बताया कि तुम्हारी बेटी को किडनैप कर लिया गया है। साथ ही उसे जिंदा छोड़ने के एवज में 30 लाख रुपये की फिरोती की मांग की। आरोपी ने बैंक खाते की डिटेल भी भेजी। उसने सोमवार को पैसे भेजने का टाइम दिया था। जानकारी के मुताबिक, मैसेज देखकर युवती के पिता ने आरोपी से कुछ समय मांगा और पुलिस को फोटो और मैसेज भेजकर शिवपुरी से कोटा के लिए निकल गए।

सिद्धू मूसेवाला की मां को नोटिस, भारत में 58 साल में आईवीएफ से मां बनाना गैर कानूनी

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट पंजाब ब्यूरो। पंजाब के मशहूर दिवंगत सिंगर सिद्धू मूसेवाला की मां चरण कौर की खुशियों पर भारतीय कानून का ग्रहण लगता दिखाई दे रहा है। उन्होंने हाल में एक बेटे को जन्म दिया है व सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीरें भी खूब वायरल हो रही है। इकलौते बेटे की मौत के बाद प्रेग्नेंसी के लिए उन्होंने इन विट्रो फर्टिलाइजेशन यानी आईवीएफ तकनीक का सहारा लिया था। चरण कौर की उम्र 58 साल है। अब उनकी इस उम्र में मां बनने को लेकर नया पेंच सामने आया है। बुधवार को स्वास्थ्य मंत्रालय ने आईवीएफ ट्रीटमेंट को लेकर सिद्धू मूसेवाला की मां और पंजाब सरकार से रिपोर्ट मांगी है। केंद्रीय

स्वास्थ्य मंत्रालय ने पत्र भेज कर पंजाब सरकार सरकार से रिपोर्ट जल्द सौंपने को कहा है। इस पत्र में चरण कौर की उम्र को लेकर सवाल भी पूछा गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के पत्र में कहा गया है कि सिद्धू मूसेवाला की मां चरण कौर ने 58 साल की उम्र में आईवीएफ से बच्चे को जन्म दिया है। सहायक प्रजनन प्रौद्योगिकी (विनियमन) अधिनियम, 2021 की धारा 21(ह) (प) के तहत इस तकनीक का इस्तेमाल करने के लिए महिला की निधारित उम्र 21 से 50 वर्ष के बीच ही हो सकती है। इस मामले की जांच करने और एआरटी (विनियमन) अधिनियम, 2021 के अनुसार इस मामले में की गई कार्रवाई की रिपोर्ट को भेजा जाए। इससे पहले सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह सिद्धू ने पंजाब सरकार पर आरोप लगाए थे।



उन्होंने वीडियो जारी कर कहा था कि पंजाब सरकार उन्हें लगातार परेशान कर रही है और वह मेरे बच्चे की लीगल होना का सबूत मांग रही है। उनका यह सवाल मुझे बहुत परेशान कर रहा है। आईवीएफ को आम बोलचाल में टेस्ट ट्यूब बेबी या आर्टिफिशियल प्रेग्नेंसी भी कहते हैं। जब महिला का शरीर अंडों को निषेचित करने में विफल रहता है तो उन्हें प्रयोगशाला में निषेचित किया जाता है।

कांग्रेस का गठबंधन, दावेदारी में पूर्व मंत्री अर्जुनसिंह बामनिया और उनके बेटे विकास सहित 4 के नाम

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट. बांसावाड़ा। बांसावाड़ा डूंगरपुर लोकसभा सीट के लिए भाजपा और भारतीय आदिवासी पार्टी ने प्रत्याशी घोषित कर चुनावी तैयारी शुरू कर दी है। वहीं कांग्रेस में टिकट फाइनल नहीं हो पाए हैं। बाप से गठबंधन की चर्चा के बीच जिला कांग्रेस कमेटी ने 4 दावेदारों का पैनल बनाकर आलाकमान को भेजा है। इस पैनल में पूर्व मंत्री अर्जुनसिंह बामनीया और उनके बेटे उप जिला प्रमुख विकास बामनीया के अलावा कालु गरासिया और हाल ही में पार्टी शामिल हुए



कमलकांत के नाम शामिल हैं। चुनाव नहीं लड़ने की बात कह रहे बामनिया से जब पूछा कि वह अब मैदान में कैसे उतरे तो उन्होंने कहा कि देशभर में कांग्रेस पार्टी मोदी और उनके प्रत्याशियों को हराने के लिए मैदान में लड़ रही है, मेरे नाम के लिए जिला कांग्रेस कमेटी और कार्यकर्ता चुनाव लड़ने के लिए नाम भेजा है, इसलिए मैंने दावेदारी की है, ताकि मोदी और उनके प्रत्याशियों को हराया जा सके। अब पार्टी टिकट देगी तो मैं पार्टी के आदेश की पालना करूंगा, चुनाव लड़ूंगा। कांग्रेस पार्टी में लगातार आ रहे इस्तीफे पर जवाब देते हुए जिलाध्यक्ष रमेश पंड्या ने कहा कि अभी तक 45 से 48 इस्तीफे मिले हैं, लेकिन इनका विश्लेषण किया तो सामने आ रहा है कि केवल 20 से 22 ही ऐसे हैं जो मंडल, ब्लॉक और जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी या सदस्य हैं, बाकी कोई पदाधिकारी या सदस्य नहीं हैं। साथ ही पंड्या ने तो पार्षदों का नाम लेकर भी कहा कि नीलेश सोनी, दीपेश जोशी, सज्जन सिंह राठौड़ पार्टी में किसी भी पद पर नहीं थे, फिर भी इस्तीफों में कांग्रेस कमेटी सदस्य लिखा है।

पिंक थीम पर सजा SMS स्टेडियम, 24 मार्च को राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जॉयंट्स का होगा मैच

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

जयपुर. आईपीएल 2024 के आगाज को लेकर काउंटडाउन शुरू हो गया है। 22 मार्च से सीजन का आगाज होने जा रहा है। जिसमें चेन्नई सुपर किंग्स और आरसीबी आमने सामने होगी। दो दिन बाद एक बार फिर से ग्राउंड में हल्ला बोल का शोर मचने वाला है। जिसमें जयपुर का SMS स्टेडियम भी शामिल है। SMS स्टेडियम में 24 मार्च को IPL का मुकाबला है। जहां राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जॉयंट्स और आमने सामने होगी। करीब 1 साल बाद फिर एक बार SMS स्टेडियम में IPL मैच होगा। घरेलू मैदान पर LSG के साथ RR की टीम खेलती नजर आएगी। ऐसे में SMS स्टेडियम को RR की ड्रेस और गुलाबीनगरी की पिंक थीम पर सजाया गया है। स्काई ब्लू से बदलकर स्टेडियम की सीट्स का कलर पिंक किया गया है। IPL मैचों के लिए इस बार टिकट की रेट 1200 से



20,000 रुपये है। पिछली बार सबसे सस्ता टिकट 800 रुपये में था, जिसकी रेट इस बार 1200 रुपये रखी गई है। ऐसे में ऑफलाइन टिकट खरीदने के लिए काउंटर पर लोगों की भीड़ उमड़ रही है। बता दें कि लोकसभा चुनाव के कारण इस बार आईपीएल दो चरणों में होगा। रॉयल्स के सात घरेलू मैच होंगे, जिनमें से पांच मैच वह जयपुर में खेलेगी और दो मैच गुवाहाटी में खेलेगी। गुवाहाटी रॉयल्स का दूसरा होम ग्राउंड है। पिछली बार भी रॉयल्स

ने दो मैच गुवाहाटी में खेले थे।

राजस्थान रॉयल्स की संभावित प्लेइंग 11
संजू सैमसन (कप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल, जोस बटलर, ध्रुव जुरेल, शिमरोन हेतमायर, रोवमैन पॉवेल, रियान पराग, आर अश्विन, ट्रेंट बोल्ट, आवेश खान, युजवेंद्र चहल। इंपैक्ट प्लेयर- संदीप शर्मा, नवदीप सैनी, कुलदीप सेन, एडम जंपा, नांदे बर्गर, टॉम कोलहर- कैडमोर।

पिछले साल प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाई राजस्थान रॉयल्स

राजस्थान रॉयल्स के लिए पिछला सीजन खराब गुजरा था। टीम ने 14 में सिर्फ 7 लीग मैचों में जीत हासिल की थी। इसके कारण वह प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाई थी। इस बार संजू सैमसन की कप्तानी वाली रॉयल्स टीम और अच्छी रणनीति के साथ मैदान पर उतरकर जीत हासिल करना चाहेगी।



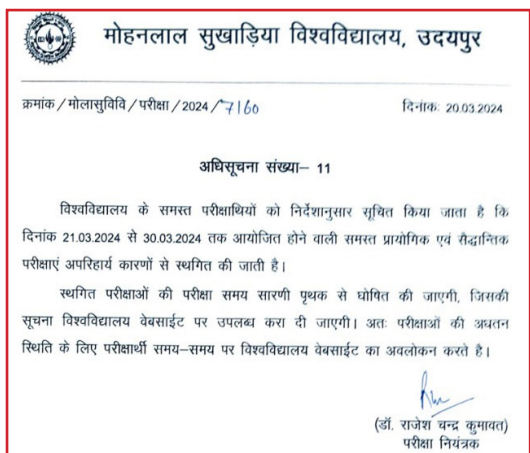
सुविवि में 'कर्णधारों' के साथ धोखे के बाद उबाल, 21 से 30 तक की सभी परीक्षाएं रद्द

बरसों की नौकरी मिनटों में छिनी, आंदोलन पर बैठे तो हाथ-पांव फूले, एजाम तक के लिए मैनपावर नहीं, हड़ताल के बाद डीन-डायरेक्टरों ने हाथ खड़े किए, नहीं करवा सकते इनके बिना एजाम, अस्थायी कर्मचारियों को दो महीने से नहीं मिला वेतन, होली से पहले जली अरमानों की होली

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट. उदयपुर। जिस संस्थान के लिए जिंदगी खपा दी उस संस्थान ने बिना एक मिनट की देरी किए सरकारी आदेश से निकालने का फरमान सुना दिया। जहां पर वे बरसों से कर्णधार और संकटमोचक की भूमिका में थे वहां से अचानक पराए कर दिए गए। संघर्ष की बारी आई तो वे भी साथ नहीं आए जिनके लिए काम करते हुए ना दिन देखा ना रात। अब हालत ये हैं कि ना हाल जा न रहे हैं ना पैरवी कर



रहे हैं। इनका दो-दो महीने का वेतन बाकी है। अब होली कैसे मनाएं, घर का खर्चा कैसे चलेगा, उम्र के इस पड़ाव में नई नौकरी का बंदोबस्त कहां से व कैसे होगा। ये सब बड़े सवाल हैं जिनकी गुंज मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में सुनाई दे रही है। यहां पर 327 अशैक्षणिक (मंत्रालयिक व चतुर्थ श्रेणी) कर्मचारियों की सेवाएं तुरंत समाप्त कर हटाने के आदेश से भूचाल आ गया है। कर्मचारियों की हड़ताल ने विश्वविद्यालय की सभी व्यवस्थाओं को चरमरा दिया है। सुविवि प्रशासन ऐसा सकते में आया कि डीन और डायरेक्टरस दौड़े चले आए और हाथ खड़े कर दिए कि हम अस्थायी कर्मचारियों के बिना एजाम नहीं करवा सकते। ऐसे में नया आदेश जारी कर 21 से 30 तक की सभी परीक्षाएं रद्द करनी पड़ी। इससे पहले आदेश निकाल कर बीसी ने अवकाशों को दूसरा आदेश जारी कर रद्द कर दिया था। आपको बता दें कि फरवरी में कुलपति प्रो. सुनीता मिश्रा ने शैक्षणिक श्रेणी के 100 से ज्यादा अतिथि शिक्षकों को हटा दिया था। अब नए शिक्षा ग्रुप-4 विभाग के संयुक्त सचिव डॉ. अनुज सक्सेना की ओर से जारी आदेश के तहत अशैक्षणिक कर्मचारियों को हटा दिया गया है। ये सभी कर्मचारी सात दिन से हड़ताल पर हैं। आज भी इनकी हड़ताल जारी है। सुविवि में पहले से ही कर्मचारियों की कमी है व सारी व्यवस्था एक तरह से इन्हीं कर्णधारों के सिर पर थी। स्थायी कर्मचारियों से बहुत कम वेतन पर कई-कई गुना काम कर रहे थे और कई बार तो काम का बोझ इतना ज्यादा हो रहा था कि समय की पाबंदी के बाद भी कई-कई घंटे रूक कर काम करना पड़ रहा था। लेकिन बरसों की मेहनत का कोई मोल नहीं समझा गया और एक झटके से नौकरी से निकालने के आदेश हो गए। अब कर्मचारियों की मांग है कि उनका सरकारी नियमों के तहत स्थायीकरण किया जाए। वैसे यह मांग उनकी 20 साल पुरानी है



जिस पर विवि प्रशासन हमेशा लॉलीपॉप देता आ रहा है। आखिरी बार प्रो जेपी शर्मा के कार्यकाल में भर्ती का प्रयास हुआ था मगर तब नवीन मिश्रा नाम के बीसी के ही गांव के रहने वाले कैंडिडेट के 100 प्रतिशत नंबर आने से बवाल हो गया था। मामला पुलिस में भी गया मगर विवि और बीसी के स्तर पर मामले को दबाने में सफलता प्राप्त कर ली गई। बाद में राज्यपाल कुलाधिपति ने सभी तथ्यों को देखते हुए भर्ती को ही निरस्त कर दिया था। उसके पहले और बाद से बरसों से अशैक्षणिक कर्मचारियों के जिम्मे ही पूरा विश्वविद्यालय चल रहा है। हालत यह हैं कि ये कर्मचारी नहीं हों तो सभी कॉलेजों के डीन के हाथ-पांव फूल रहे हैं। सच तो यह है कि परमानेंट फेकल्टी इतना बोझ झेलने को तैयार ही नहीं है। परीक्षा करवाना असंभव होने पर रद्द करना पड़ा। इससे जो छात्रों को नुकसान हुआ है उसका जवाब कौन देगा।



इधर, इन कार्मिकों को पिछले दो महीने से वेतन भी नहीं दिया जा रहा है। अशैक्षणिक कार्मिकों के लगभग 50 प्रतिशत पद खाली हैं। शैक्षणिक कार्मिकों के 35 प्रतिशत पद खाली हैं। ऐसे में खाली पदों के चलते ना तो कोर्स पूरा हो सकता है ना ही प्रवेश से लेकर टीसी, माइग्रेशन तक के काम। इन सभी कार्मिकों को सेल्फ फाइनेंस स्कीम (एसएफएस) के तहत काम करते हुए 2 से लेकर 20 साल हो गए हैं। इनका कहना है कि सुविवि की सीओडी, बॉम में एप्रूवल के बाद इनकी नियुक्ति की गई है मगर सुविवि प्रशासन के गलत फीडबैक के आधार पर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग ने हटाने का आदेश दिया है।

सुविवि प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान

परीक्षाएं रद्द होने का सीधा खामियाजा छात्रों को होगा,

इसका जवाब आखिर कौन देगा। क्या विवि प्रशासन को पहले से नहीं पता था कि इन कर्मचारियों के बिना काम ही नहीं चलेगा। या फिर गलत फीडबैक के आधार पर पूरा प्रशासन ही मुगालते में था। इस मामले में सुविवि प्रशासन की भयंकर लापरवाही सामने आई है। जब दो महीने से वेतन नहीं मिल रहा था तो सुविवि प्रशासन ने क्या किया? प्रशासन को क्या पता नहीं था कि इन कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाने के बाद उसी रास्ते से उनके लिए भयंकर संकट सिस्टम के अंदर आने वाला है जिसका उनके पास कोई हल नहीं है। सरकारी स्तर पर कागजों से एक्शन और रिएक्शन होता है। यदि बीसी के नेतृत्व में समय रहते पैरवी की जाती तो होली से पहले किसी की नौकरी जाने की नौबत ही नहीं आती। अब जब एजाम सिर पर हैं, चुनाव भी निपटाने हैं तो हाथ-पांव फूल रहे हैं। आज के आदेश से ही साफ हो गया कि विवि प्रशासन की कोई तैयारी नहीं थी। वह पूरी तरह से होचपोच और डाफाचूक है। प्रशासन ने सोचा कि अस्थायी रूप से कार्यरत कर्मचारियों को मीठी गोली देकर एजाम करवा लेंगे, बाद का बाद में देखा जाएगा मगर जब कई

अध्यापकों की चुनाव में ड्यूटी लगा दी गई तो मामला और ज्यादा गड़बड़ा गया। यहां भी बात नहीं बनी तो रद्द करनी पड़ी। जानकार बताते हैं कि इतनी जल्दी नई भर्ती नहीं हो सकती। ऐसे में इन कर्मचारियों को वापस नौकरी पर रखने के अलावा विवि प्रशासन के पास कोई दूसरा चारा नहीं है। इसके साथ ही बताया जा रहा है कि हर दो महीने पर कर्मचारियों को एक्सटेंशन मिल रहा है जो अनुचित, अताकिंक और अवैज्ञानिक है। ऐसा किसी भी सिस्टम में नहीं होता है। यह अजूबा प्रयोग सुविवि में क्यों हो रहा है इसका जवाब सरकारी स्तर पर मांगा जाना चाहिए।

कांग्रेस के हुए पप्पू यादव पूर्णिया से मिल सकता है टिकट



24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट

पटना। जाप (जन

अधिकार) सुप्रीमो पप्पू यादव की

पार्टी का कांग्रेस में विलय हो गया है।

दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका

ऐलान किया गया। कांग्रेस ने इसे

ऐतिहासिक विलय बताया है। पप्पू यादव कांग्रेस के टिकट पर पूर्णिया से

लोकसभा चुनाव लड़ सकते हैं। उनकी पत्नी रंजीत रंजन राज्यसभा सदस्य

हैं। उन्हें कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ से राज्यसभा भेजा था। बिहार के कांग्रेस प्रभारी

मोहन प्रकाश ने पप्पू यादव की पार्टी का कांग्रेस में विलय कराया। पप्पू यादव

के साथ उनके बेटे सार्थक यादव भी मौजूद रहे। सार्थक रंजन रणजी खेलते

हैं। इस अवसर पर मोहन प्रकाश ने कहा, साझेदारी न्याय से प्रभावित होकर

पप्पू यादव ने कांग्रेस में विलय करने का निर्णय लिया। पप्पू यादव के आने

से बिहार में कांग्रेस के साथ घटक दल को भी मजबूती मिलेगी। विलय के

समय पप्पू यादव के समर्थकों ने जब नारेबाजी की तो कांग्रेस नेताओं ने रोक

दिया। कांग्रेस में शामिल होने के बाद पप्पू यादव ने कहा- बिहार में क्षेत्रीय

पार्टी सत्ता में रही और नहीं भी। एक संघर्ष की बड़ी लंबी फेहरिस्त है न्याय

की और सेवा की। सेवा न्याय और संघर्ष के लिए हमारी पार्टी जानी जाती

है। मेरी विचारधारा कांग्रेस की विचारधारा के साथ रही। यह मजबूत ऊर्जा

देती रही। हमारी राजनीति सेक्युलर है। हर परिस्थिति में दूसरे के विचारों का

सम्मान का हमारा इतिहास रहा है।



अयोध्या पहुंची प्रियंका चोपड़ा, पति संग किए राम लला के दर्शन



24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेटब्यूरो। महीनों बाद भारत लौटने के बाद

प्रियंका चोपड़ा आने पति निक जोनस और बेटी मालती

मेरी चोपड़ा जोनस के साथ अयोध्या पहुंच गई हैं। ये 2024 में पहली बार

है जब प्रियंका भारत आई हैं। ऐसे में अब ग्लोबल स्टार अपने परिवार के

साथ राम लला के दर्शन को पहुंची हैं।

पंखे से लटक आत्महत्या की

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर। बावलवाड़ा में विवाहिता ने घर के अंदर पंखे से फंदा लगा

आत्महत्या कर ली। बताया गया कि कल्पना पति मणीलाल उम्र 45 वर्ष

निवासी सुलाई ने साड़ी से पंखे पर लटक ककर खुदकुशी कर ली। कल्पना

के पुत्र ने घर आने के बाद आस पास के लोगो को बुला शव नीचे उतारा।

मौके पर बावलवाड़ा थाना पुलिस ने पहुंच शव को खेरवाड़ा मोर्चरी में

रखवाया। पुलिस द्वारा अग्रिम जांच जारी है।

24 न्यूज अपडेट

देश-दुनिया राज्यों एवं स्थानीय खबरों को देखने के लिए हिन्दी समाचार पत्र एवं न्यूज चैनल

ताजा खबरें देखने के लिए

हमारे यूट्यूब चैनल को सबस्क्राइब करें



हमारे फेसबुक पेज को फॉलो करें

लिंक पर क्लिक करें और हमारे चैनल को लाइक और सब्सक्राइब करें

उदयपुर-मैसूर ट्रेन में लगी आग, इमरजेंसी ब्रेक लगाकर रोकी ट्रेन

उदयपुर से सोमवार रात रवाना हुई, सूरत से आगे लगी आग

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। मदार रेल हादसे के दूसरे ही दिन एक और बड़ी दुर्घटना होते-होते बच गई। उदयपुर से मैसूर जाने वाली पैलेस क्वीन हमसफर एक्सप्रेस के पहिए में सूरत स्टेशन से आगे आग लग गई। पहिये से धुआं उठता देख दौरान यात्रियों में हड़कंप मच गया। रेल कर्मचारियों ने तुरंत पायलट को सूचना दी। पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर गाड़ी रोकी। करीब 20 मिनट की मशक्कत के बाद अग्निशमन यंत्र से आग पर काबू पाया जा सका। गनीमत रही कि यह आग कोच तक नहीं पहुंची। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक आग ब्रेक ब्लॉक गर्म होने की वजह से लगी थी। यह ट्रेन उदयपुर से सोमवार रात 9:10



मिनट पर रवाना हुई थी। मंगलवार सुबह 11:50 मिनट पर ट्रेन जब सूरत और वसई रेलवे स्टेशन के बीच थ, तभी थर्ड एसी के कोच बी 4 के पहियों में आग लग गई। ट्रेन में कुल 1143 सवार थे। जिस कोच के पहिए में आग लगी उसमें 68 यात्री थे। आग शांत होने के बाद तकनीकी दिक्कत दूर कर ट्रेन को फिर से रवाना किया गया। इस दौरान 30 मिनट तक ट्रेन खड़ी रही। इसके बाद

वसई स्टेशन पर ट्रेन की फिर से पूरी जांच की गई, लेकिन कोई बड़ी दिक्कत सामने नहीं आई रेलवे के एक्सपर्ट के अनुसार ट्रेन में पहिए को रोकने के लिए ब्रेक ब्लॉक लगे रहते हैं। ये लोहे के होते हैं। कई बार मेंटनेंस के अभाव में ब्रेक ब्लॉक पहिए के चिपक जाते हैं। इससे पहिए घूम नहीं पाते हैं और घर्षण की वजह से इनमें आग लग जाती है। अगर सही समय पर नहीं पता चलता तो कोच ट्रेन से अलग हो सकता था और बड़ी दुर्घटना हो जाती। अजमेर मंडल के सीनियर डीसीएम ने कहा कि इस मामले में जांच करवाई जाएगी। यह फॉल्ट रखरखाव या मैनुफैक्चरिंग डिफेक्ट के कारण हो सकता है। इस ट्रेन का प्राइमरी मेंटनेंस उदयपुर स्टेशन पर ही होता है। इससे जुड़े सभी लोगों से पूछताछ की जाएगी।